कोटि की कम लागत वाली फिल्मों के निर्माण हेतु तथा सिनेमा उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता देने के लिए फिल्म वित्त निगम स्थापित किया हुआ है । कुछ राज्य सरकारों ने भी अपने अपने राज्यो में फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए अपने अपने फिल्म विकास निगम स्थापित किए हुए हैं ।

लघु उद्योगों की स्थापना करने के लिए खनिजों का सर्वेक्षण

3929. **श्री श्याम लाल धुर्वे :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या खनिजो तथा वन उत्पादो जैसे कच्चेमाल से सपन्न जिलो का सर्वेक्षण कराने की कोई योजना है ताकि उनसे सबंधित लघु और कुटीर उद्योगो की स्थापना करने के लिए उपयुक्त स्थानो का पता लगाया जा सके ,

(ख) यदि हा, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नही, तो इस उद्देश्य के लिए अब तक योजना न बनाने के क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) : (क) स्थानीय स्रोतो, स्थानीय कुशलता और स्थानीय माग के आधार पर लघु तथा कुटीर उद्योगो की स्थापना करने की दृष्टि से लगभग सभी जिलो का सर्वेक्षण किया जा चुका है । जिला उद्योग केन्द्रो के कार्यक्रम के अन्तर्गत, जिस मे देश के सभी जिले थोडी सी अवधि मे ही आ जाऐगे, विद्यमान लघु तथा कुटीर उद्योगो को प्रोत्साहन देने और नये औद्योगिक क्रिया कलाप की स्थापना के लिए सर्वेक्षणो की समीक्षा की जायेगी ।

(ख) और (ग). प्रश्न ही नही उठते ।

राजभाषा अधिनियम, 1968 के उपबन्धों की क्रियान्विति

3930. **श्री राम प्रसाद देशमुख :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या उन के मत्रालय/विभाग ने राजभाषा अधिनियम, 1968 और उस के अन्तर्गत जून, 1976 मे बनाये गये नियमो के बारे मे अपने सबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयो को सूचना दे दी है तथा क्या उन्हें इनको क्रियान्वित करने के लिए कहा गया है ,

(ख) यदि हा, तो मत्रालय/विभाग ने उत्तर दिया है कि उक्त उपबधो और नियमो का पूरी तरह मे पालन किया जा रहा है, और

(ग) यदि नही, तो उस के क्या कारण है और उक्त नियमो का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लालकृष्ण अडवाणी) : (क) जी हा ।

(ख) और (ग). यथा सशोधित राजभाषा अधिनियम तथा राज भाषा (सघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के उपबन्धो को यथा सम्भव हद तक कार्यान्वित किया जा रहा है । उक्त अधिनियम और नियमो के उपबन्धों का पूरी तरह पालन न होने के मुख्य कारण है पर्याप्त अनुवाद सुविधाओ और हिन्दी टाइपिस्टो आदि की कमी तथा अधिकाश अधिकारियो/ कर्मचारियो का हिन्दी मे प्रवीण न होना या हिन्दी मे काम करने का अभ्यस्त न होना । उक्त अधिनियम और नियमो के उपबन्धो का पालन सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे है :–

(1) मंत्रालय के विभिन्न सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयो से प्राप्त हिन्दी के